कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत सब्जियों की कम लागत संरक्षित खेती विषय पर पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम संपन्न

कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद द्वारा बायोटेक किसान परियोजना अंर्तगत आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत सब्जियों की कम लागत संरक्षित खेती विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 6 -12-21 से 10- 12- 21 के मध्य किया गया. दिनांक 6-12- 21 को ग्राम परसवानी 7-12 -21 को ग्राम रामसागर पारा 8-12- 21 को ग्राम अछोला 9- 12 -21 को कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद में 5 गांव के करीब 100 कृषक गण एवं 10-12 21 को ग्राम साराडीह में आयोजित किया गया। उक्त सभी प्रशिक्षण में प्रतिदिन 50 से अधिक कृषकों द्वारा सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई गई दिनांक 9- 12-21 को उक्त प्रशिक्षण का आयोजन केंद्र के भलेसर स्थित प्रक्षेत्र में किया गया जो की डॉ पी.के घोष, माननीय कुलपति एवं निदेशक राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान रायपुर के मुख्य आतिथ्य में संपन हुआ उपरोक्त कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के साथ अन्य प्रधान वैज्ञानिकों का दल डॉ पी मोवेनथम (परियोजना प्रमुख), डॉ मुरली भास्करन, डॉ संदीप भंडारकर, डॉ नवनीत राणा, डॉ जी डी साहू ने भाग लिया । माननीय कुलपति ने अपने उद्बोधन उपरांत कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तैयार तकनीकी बुलेटिन सब्जियों की संरक्षित खेती एवं हल्दी की उन्नत उत्पादन तकनीक का विमोचन भी किया गया, साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के प्रक्षेत्र पर राष्ट्रीय जैविक प्रबंधन संस्थान रायपुर द्वारा प्रायोजित नवीन बटेर पालन इकाई का उद्घाटन भी माननीय कुलपति द्वारा किया गया । डॉक्टर जी. डी. साहू वैज्ञानिक फल विज्ञान विभाग एवं प्रमुख अन्वेषक एपीएफडीसी द्वारा संरक्षित खेती पर 100 से अधिक कृषकों को विस्तार से जानकारी दी गई कार्यक्रम के अंत में माननीय कुलपति द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र के कार्य की सराहना करते हुए कृषकों को कृषि विज्ञान से केंद्र से जुड़कर ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की सलाह दी ।उक्त कार्यक्रम डॉ एस के वर्मा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिसमे केंद्र के वैज्ञानिक एच एस तोमर, डॉ साकेत दुबे ,कुणाल चंद्राकर ,इंजीनियर रवीश केसरी, श्रीमती रजनी आगाशे, दीपांशु मुखर्जी एसएम अली हुंमायूं , कमलकांत लोधी, पुनीता कार्तिकेयन, डॉ रेवेंद्र साहू एवं डॉ सत्येंद्र गुप्ता आदि सभी वैज्ञानिको ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई, कार्यक्रम के अंत में प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एच एस तोमर द्वारा सफल आयोजन हेतु सभी अतिथियों, कृषको एवं केंद्र के सभी अधिकारियो एवं कर्मचारियों को बधाई दी